

Dairy Farming Business Plan

1.	डेयरी फ़ार्म में निवेश
2.	डेयरी बिज़नेस के लिए लोन



1 - डेयरी फ़ार्म में निवेश

डेयरी फ़ार्म एक ऐसा बिज़नेस है जिसे यदि थोड़ी समझदारी से किया जाए, तो मुनाफा होना तय है। अप्रत्याशित परिस्थितियों को छोड़ दिया जाए, तो दूध की मांग कभी कम नहीं होने वाली है। ऐसे में डेयरी बिज़नेस का भविष्य उज्ज्वल बना रहेगा। आप चाहें तो दूध से दही, पनीर, घी आदि बनाकर अतिरिक्त कमाई भी कर सकते हैं। छोटे पैमाने पर डेयरी बिज़नेस शुरू करने में 10-20 लाख रूपए का निवेश करना पड़ सकता है। डेयरी बिज़नेस के लिए सरकार की ओर से 25 से 50 प्रतिशत तक सब्सिडी भी दी जाती है। अलग-अलग राज्यों में यह सब्सिडी अलग-अलग हो सकती है।

डेयरी फ़ार्म में निवेश एक महत्वपूर्ण कदम है जो आपकी योजना की सफलता और आपके व्यवसाय की दीर्घकालिक स्थिरता को निर्धारित करता है। डेयरी फार्मिंग में निवेश करते समय, आपको विभिन्न प्रकार की लागतों और संभावित खर्चों पर विचार करना होगा। यहाँ पर डेयरी फ़ार्म में निवेश के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई है:

❖ प्रारंभिक निवेश (Initial Investment)

प्रारंभिक निवेश में भूमि की खरीद या किराये पर लेना, पशुओं की खरीद, शेड का निर्माण, और आवश्यक उपकरणों की खरीद शामिल होती है।

- **भूमि और बुनियादी ढांचे का खर्च:** यदि आपके पास पहले से भूमि नहीं है, तो आपको इसे खरीदने या किराए पर लेने की आवश्यकता होगी। भूमि का आकार फार्म के पैमाने पर निर्भर करता है। साथ ही और चारे के भंडारण की सुविधाओं के निर्माण पर भी खर्च आएगा।
- **पशु खरीद:** डेयरी फार्म में सबसे महत्वपूर्ण निवेश पशुओं की खरीद है। उच्च दूध उत्पादन क्षमता वाली नस्लों जैसे साहीवाल, गिर, जर्सी, या मुरा भैंस को खरीदने पर विचार करें। एक अच्छी नस्ल की गाय या भैंस की कीमत 50,000 रुपये से लेकर 1,50,000 रुपये तक हो सकती है, जो उसकी नस्ल, उम्र, और दूध उत्पादन क्षमता पर निर्भर करती है।
- **उपकरण और मशीनरी:** डेयरी फार्म के लिए आवश्यक उपकरणों में दूध निकालने की मशीनें, दूध ठंडा करने की मशीनें, चारा काटने और मिक्स करने की मशीनें, और पशु चिकित्सा

उपकरण शामिल हैं। इन सभी उपकरणों की लागत लाखों में हो सकती है।

❖ ऑपरेशनल लागत (Operational Costs)

ऑपरेशनल लागत में पशुओं के दैनिक रखरखाव, चारा, पानी, बिजली, और श्रम का खर्च शामिल होता है।

- **चारा और फ़ीड:** चारा और फ़ीड की लागत डेयरी फार्म की सबसे बड़ी ऑपरेशनल लागतों में से एक है। पशुओं के लिए हरे चारे, सूखे चारे, और फ़ीड की आवश्यकता होती है। एक पशु पर प्रति दिन लगभग 100-150 रुपये तक का चारा और फ़ीड खर्च होता है।



- **स्वास्थ्य देखभाल और दवाइयाँ:** पशुओं के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नियमित टीकाकरण, पशु चिकित्सा सेवा,

और दवाइयों की आवश्यकता होती है। पशुओं के स्वास्थ्य पर सालाना खर्च हजारों रुपये तक हो सकता है।

- **श्रम लागत:** डेयरी फार्म के संचालन के लिए श्रमिकों की आवश्यकता होती है जो पशुओं की देखभाल, दूध निकालने, और फार्म की सफाई जैसी जिम्मेदारियों को संभालते हैं। श्रमिकों की संख्या और उनके वेतन के आधार पर मासिक श्रम लागत निर्धारित की जाती है, जो फार्म के आकार के आधार पर भिन्न हो सकती है।

❖ वित्तपोषण और पूंजी जुटाना (Financing and Raising Capital)

डेयरी फार्म शुरू करने के लिए पर्याप्त पूंजी जुटाना एक महत्वपूर्ण कदम है।

- **बैंक ऋण और वित्तीय संस्थाएँ:** अधिकांश बैंक और वित्तीय संस्थाएँ डेयरी फार्मिंग के लिए विशेष ऋण योजनाएँ प्रदान करती हैं। ये ऋण निम्न ब्याज दरों और लंबी पुनर्भुगतान अवधि के साथ उपलब्ध होते हैं, जो डेयरी फार्मर्स के लिए फायदेमंद होते हैं।

- **सरकारी सब्सिडी और अनुदान:** भारत सरकार और विभिन्न राज्य सरकारें डेयरी फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी और अनुदान प्रदान करती हैं। ये सब्सिडी पशुओं की खरीद, शेड के निर्माण, और डेयरी उपकरणों की खरीद के लिए दी जाती हैं।
- **स्वयं का निवेश और साझेदारी:** यदि आपके पास स्वयं की पूंजी है, तो आप उसे अपने डेयरी फार्म में निवेश कर सकते हैं। इसके अलावा, आप साझेदारी के माध्यम से भी पूंजी जुटा सकते हैं, जहाँ एक या अधिक लोग मिलकर डेयरी फार्म में निवेश करते हैं और मुनाफे को साझा करते हैं।



❖ लाभ और हानि का पूर्वानुमान (Profit and Loss Estimation)

डेयरी फार्मिंग में निवेश करने से पहले लाभ और हानि का पूर्वानुमान लगाना जरूरी है। इसके लिए, आपको यह आकलन करना चाहिए कि एक गाय या भैंस से प्रतिदिन औसतन कितना दूध मिलेगा और उस दूध को बेचने से आपको कितनी आमदनी होगी। इसके साथ ही, आपको सभी प्रकार के खर्चों को ध्यान में रखते हुए यह आकलन करना चाहिए कि आपकी शुद्ध आय क्या होगी।

❖ जोखिम प्रबंधन और आकस्मिक निधि (Risk Management and Contingency Fund)

डेयरी फार्मिंग में कई तरह के जोखिम होते हैं जैसे पशुओं की बीमारियाँ, प्राकृतिक आपदाएँ, और बाजार में दूध की कीमतों में उतार-चढ़ाव। इन जोखिमों को ध्यान में रखते हुए, आपको आकस्मिक निधि तैयार रखनी चाहिए ताकि आप किसी भी आपात स्थिति में अपने फार्म की संचालन क्षमता बनाए रख सकें। इसके अलावा, पशुओं के लिए बीमा योजना भी ली जा सकती है ताकि किसी भी अप्रत्याशित नुकसान की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा बनी रहे।

2 - डेयरी बिज़नेस के लिए लोन

डेयरी फ़ार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए डेयरी उद्यमिता विकास योजना के तहत बैंक से लोन भी दिया जाता है। खास बात ये है कि इस लोन पर सब्सिडी भी मिलती है। अगर आप 10 पशुओं की डेयरी खोलना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको 10 लाख रुपए तक की व्यवस्था करनी होगी। कृषि मंत्रालय की डेयरी उद्यमिता विकास योजना के तहत आपको करीब 2.5 लाख रुपए तक की सब्सिडी मिल सकती है।

डेयरी बिज़नेस शुरू करने के लिए लोन लेना एक महत्वपूर्ण कदम है, खासकर तब जब आपके पास पर्याप्त पूंजी नहीं है। भारत में डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें, साथ ही विभिन्न बैंक और वित्तीय संस्थाएँ, डेयरी व्यवसाय के लिए विभिन्न प्रकार के लोन और वित्तीय सहायता योजनाएँ प्रदान करती हैं। इस प्रकार के लोन का उद्देश्य डेयरी फ़ार्मिंग को प्रोत्साहित करना और किसानों और उद्यमियों को अपने व्यवसाय को स्थापित करने और विस्तारित करने में मदद करना है। यहां डेयरी बिज़नेस के लिए लोन की प्रमुख विशेषताओं और आवश्यकताओं के बारे में विस्तार से चर्चा की गई है।

❖ लोन के प्रकार (Types of Loans)

डेयरी व्यवसाय के लिए उपलब्ध लोन मुख्य रूप से तीन प्रकार के होते हैं:

- **टर्म लोन (Term Loan):** यह लोन उन उद्देश्यों के लिए होता है जिनमें लंबे समय तक वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती है, जैसे कि डेयरी फार्म के लिए भूमि खरीदना, शेड का निर्माण, या पशुओं की खरीद। टर्म लोन की पुनर्भुगतान अवधि 3 से 7 साल या इससे अधिक हो सकती है, और यह उद्यमी की वित्तीय स्थिति और बैंक की नीतियों पर निर्भर करता है।
- **वर्किंग कैपिटल लोन (Working Capital Loan):** इस प्रकार का लोन डेयरी फार्म के दैनिक संचालन खर्चों को पूरा करने के लिए होता है, जैसे कि चारा और फ़ीड की खरीद, पशु चिकित्सा खर्च, बिजली और पानी के बिल, और श्रम का भुगतान। वर्किंग कैपिटल लोन की अवधि आमतौर पर 1 साल तक होती है और इसे हर साल नवीनीकृत किया जा सकता है।

- **संयुक्त लोन (Composite Loan):** यह लोन उन किसानों और उद्यमियों के लिए है जो अपने डेयरी फार्म के लिए दोनों, टर्म लोन और वर्किंग कैपिटल लोन की आवश्यकता महसूस करते हैं। संयुक्त लोन एक ही बैंक से दोनों प्रकार के लोन की सुविधाएँ प्रदान करता है।

❖ लोन की विशेषताएँ (Features of Dairy Business Loan)

डेयरी बिज़नेस के लिए लोन की कुछ सामान्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

- **ब्याज दर (Interest Rate):** डेयरी व्यवसाय के लिए लोन की ब्याज दर बैंक और वित्तीय संस्थान के आधार पर भिन्न हो सकती है। आमतौर पर, यह ब्याज दर 9% से 14% प्रति वर्ष के बीच होती है। कुछ सरकारी बैंक जैसे कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI), पंजाब नेशनल बैंक (PNB), और अन्य सहकारी बैंक विशेष योजनाओं के तहत सब्सिडी वाली ब्याज दरें भी प्रदान करते हैं।
- **ऋण की राशि (Loan Amount):** लोन की राशि आपके व्यवसाय की आवश्यकताओं, आपकी पुनर्भुगतान क्षमता, और

बैंक की नीतियों पर निर्भर करती है। छोटे डेयरी फार्म के लिए लोन की राशि 1 लाख रुपये से 5 लाख रुपये तक हो सकती है, जबकि बड़े व्यवसायों के लिए यह राशि 10 लाख रुपये से लेकर 50 लाख रुपये या उससे अधिक तक हो सकती है।

- **पुनर्भुगतान अवधि (Repayment Tenure):** लोन की पुनर्भुगतान अवधि आमतौर पर 3 से 7 साल तक होती है, लेकिन कुछ विशेष मामलों में इसे 9-10 साल तक भी बढ़ाया जा सकता है। पुनर्भुगतान का तरीका मासिक, त्रैमासिक, या वार्षिक किस्तों में हो सकता है, जो आपके व्यवसाय के नकदी प्रवाह पर निर्भर करता है।

❖ लोन के लिए पात्रता (Eligibility Criteria for Dairy Business Loan)

डेयरी बिज़नेस के लिए लोन प्राप्त करने के लिए, आपको निम्नलिखित पात्रता मानदंडों को पूरा करना होगा:

- **व्यक्तिगत या कंपनी प्रोफ़ाइल:** आवेदनकर्ता व्यक्ति, साझेदारी फर्म, सहकारी सोसायटी, या कंपनी हो सकती है जो डेयरी व्यवसाय में शामिल हो।

- **आयु सीमा:** व्यक्ति की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम 65 वर्ष होनी चाहिए।
- **क्रेडिट स्कोर:** एक अच्छा क्रेडिट स्कोर (आमतौर पर 650 से ऊपर) बैंक लोन प्राप्त करने के लिए आवश्यक होता है। क्रेडिट स्कोर आपके पिछले ऋणों के भुगतान इतिहास पर आधारित होता है।
- **प्रस्तावित परियोजना रिपोर्ट:** डेयरी व्यवसाय की एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी, जिसमें निवेश की आवश्यकता, आय का अनुमान, लाभ-हानि का पूर्वानुमान, और लोन के उपयोग की योजना शामिल होनी चाहिए।

❖ लोन के लिए आवश्यक दस्तावेज (Documents Required for Dairy Business Loan)

लोन आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेज जमा करने होते हैं:

- **पहचान और पते का प्रमाण:** आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट आदि।
- **आय का प्रमाण:** पिछले 3 वर्षों के इनकम टैक्स रिटर्न, बैंक स्टेटमेंट, संपत्ति का प्रमाण।

- **प्रस्तावित परियोजना रिपोर्ट:** जिसमें विस्तृत व्यापार योजना, निवेश का विवरण, और लाभ-हानि का अनुमान हो।

❖ लोन आवेदन प्रक्रिया (Loan Application Process)

डेयरी बिज़नेस के लिए लोन आवेदन करने की प्रक्रिया आमतौर पर सरल होती है:

- **बैंक का चयन:** सबसे पहले, आपको उस बैंक या वित्तीय संस्थान का चयन करना होगा जो आपकी आवश्यकताओं के अनुसार सबसे अच्छा लोन ऑफर कर रहा है।
- **लोन आवेदन पत्र भरना:** चुने गए बैंक से लोन आवेदन पत्र प्राप्त करें और उसमें सभी आवश्यक जानकारी भरें।
- **दस्तावेज़ जमा करना:** आवेदन पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज़ संलग्न करें और बैंक में जमा करें।
- **बैंक द्वारा समीक्षा:** बैंक आपके आवेदन और दस्तावेज़ों की समीक्षा करेगा। यदि आवश्यक हो, तो बैंक आपके फार्म का निरीक्षण भी कर सकता है।

- **लोन स्वीकृति:** यदि आपका आवेदन स्वीकृत हो जाता है, तो बैंक आपको लोन की स्वीकृति पत्र देगा और राशि आपके बैंक खाते में जमा कर दी जाएगी।

❖ **सरकारी योजनाएँ और सब्सिडी (Government Schemes and Subsidies)**

भारत सरकार और विभिन्न राज्य सरकारें डेयरी उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएँ और सब्सिडी प्रदान करती हैं। इनमें डेयरी उद्यमिता विकास योजना (DEDS), राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD) की योजनाएँ, और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना शामिल हैं। ये योजनाएँ डेयरी फार्मर्स को उपकरण खरीदने, पशुओं की खरीद, और अन्य आवश्यकताओं के लिए सब्सिडी और रियायती लोन प्रदान करती हैं।